කැළණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

විවෘත හා දුරස්ථ අධ්‍යයන කේන්ද්‍රය

Centre for Open and Distance Learning
University of Kelaniya-Sri Lanka

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය

(බාහිර)- 2009

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී-HIND-E-1025

නූතන හින්දී සාහිත්‍යය හැඳින්වීම සහ

නූතන හින්දී සාහිත්‍ය උද්ධෘත රසවිඳීම (නියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 කාලය : පැය 03

ප්‍රශ්න සියල්ලටම පිළිතුරු සපයන්න

प्रथम भाग

01. निम्नलिखित किन्हीं **दो** पद्यांशों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए। (20अंक)

(क) ये अनजान नदी की नावें
जादू के से पाल उड़ाती आती
मंथर चाल।
नीलम पर किरणों की साँझी
एक न डोरी एक न माँझी
फिर भी लाद निरंतर लाती
सेंदूर और प्रवाल

(ख) गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,

लूँगी से ढाँपे तन,

नंगी देह भरी बालों से

वनमानुस - सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा, कुछ गुन-गुन,

खड़ा हो, जाता वह घर,

पिछले पैरों के बल उठ

जैसे कोई चल रहा जानवर।

(ग) प्रिय वसंत के विरह - ताप से धरा तप्त हो जाती है।

तृष्णा होकर तृषित प्यास-ही-प्यास पुकार मचाती है।

स्वेद धूलि-कण धूप-लपट के साथ लिपटकर मिलते हैं।

जिनके तार व्योम से बाँधकर ज्वाला-ताप उगिलते हैं।

02 संदर्भ देते हुए निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> गद्यांशों के अर्थ हिन्दी में समझाइए। (20अंक)

(क) 'जब किसी तरह न रहा गया , उसने जबरा को धीरे से उठाया और उसके सिर को थपथपाकर उसे अपनी गोद में सुला लिया। कुत्ते की देह से जाने कैसी दुर्गंध

आ रही थी, पर उसे अपनी गोद में चिपटाये हुए ऐसे सुख का अनुभव कर रहा था, जो इधर महीनों से उसे न मिला था।'

(ख) 'फिर इससे कम में तो काम न चलेगा। बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है, रामू की माँ ! खर्च को देखते वक्त पहले बहू के पाप को तो देख लो। यह तो प्रायश्चित्त है, कोई हँसी-खेल थोड़े ही है ?'

(ग) 'यह ! यही तो इन कमबख्तों को मिटा देता है। यह समझते हैं कि बहुमत इन्हें गदहे से बछड़ा बना देगा ! कमबख्त यह नहीं समझते कि अब बहुमत के माने ही बदल गये हैं। बहुमत बहुत थोड़े से बेजार, अधमरे केंचुओं का नाम थोड़े ही है ! वह शक्ति, दुनिया को हिला देनेवाली शक्ति का नाम है और वह हमेशा एक आदमी - एक आदमी में होती हैं। '

03 बंदिनी कहानी में निरूपित कुंती के चरित्र का चित्रण कीजिए। (20अंक)

<u>अथवा</u>

ठाकुर का कुआँ कहानी की कथा को अपनी हिन्दी में लिखिए।

<u>द्वितीय भाग</u>

(इस प्रश्नों के उत्तर सिंहल भाषा में लिख सकते हैं)

04 महावीर प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक सेवा का परिचय दीजिए। (20अंक)

05 छायावादी युग के साहित्य की विशेषताएँ क्या-क्या हैं ? समझाइए। (20अंक)

****